ई संदेश

01 अक्टूबर, 2026 | अंक - 225

सात दिन, सात पृष्ठ



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 26 सितम्बर, 2026 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

- वरुण विहार और नैमिष नगर आवासीय परियोजनाओं का भूमिपूजन: लखनऊ के सुनियोजित विस्तार को मिलेगी नई गति
- यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 का भव्य शुभारम्भ: प्रदेश के उत्पादों को मिला वैश्विक मंच
- यूपीआईटीएस-2026: मुख्यमंत्री ने पार्टनर देशों के साथ राउंड टेबल बैठक कर वैश्विक निवेश और साझेदारी को दिया आमंत्रण
- ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर आर्थिक इकाई के रूप में विकसित करें : मुख्यमंत्री
- केवल अंक ही नहीं, बच्चों का सर्वांगीण विकास ही सफलता का आधार : मुख्यमंत्री
- गोरखपुर में 'सेवा संकल्प अभियान' में 509 दिव्यांगजनों को मिले सहायक उपकरण

वरुण विहार और नैमिष नगर आवासीय परियोजनाओं का भूमिपूजन: लखनऊ के सुनियोजित विस्तार को मिलेगी नई गति





मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 24 सितम्बर, 2026 को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की 10,680 एकड़ क्षेत्रफल में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित होने वाली 'नैमिष नगर' एवं 'वरुण विहार' आवासीय योजनाओं का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने 2,166 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच बहुमंजिला आवासीय योजनाओं का शिलान्यास करने के साथ भूखण्डों के पंजीकरण का शुभारम्भ किया और योजना के लिए भूमि देने वाले किसानों से संवाद भी स्थापित किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वरुण विहार तथा नैमिष नगर परियोजनाएँ राजधानी के सुनियोजित विस्तार, आधुनिक नागरिक सुविधाओं के विकास और सभी आय वर्गों को बेहतर आवास उपलब्ध कराने की दिशा में युगांतरकारी कदम हैं। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि तेजी से बढ़ती आबादी के दृष्टिगत अनियोजित बसावट की समस्याओं को दूर करने के लिए एकीकृत नागरिक सुविधाओं से युक्त यह मास्टर प्लान तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि 6,500 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में विस्तृत 'वरुण विहार' योजना 6 लाख से अधिक नागरिकों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराएगी, जिसे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से भी जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 4,100 एकड़ में विकसित होने वाली 'नैमिष नगर' योजना 4 लाख से अधिक आबादी को समाहित करेगी, जो आधुनिक विकास को नैमिषारण्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का सेतु बनेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ अब केवल प्रशासनिक केंद्र नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आधुनिक तकनीक और मैन्युफैक्चरिंग का वैश्विक हब बन रहा है। उन्होंने बताया कि ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक व्हीकल तथा ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण जैसी इकाइयाँ राजधानी के औद्योगिक और सामरिक स्वरूप को नई पहचान दे रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि राजधानी के विकास को अब समग्र स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसमें लखनऊ के साथ उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी और रायबरेली को विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, मेट्रो तथा उन्नत सार्वजनिक परिवहन से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि योजनाओं में समाज के प्रत्येक वर्ग का ध्यान रखा गया है, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, ग्रुप हाउसिंग और उच्च आय वर्ग के लिए भूखण्ड सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि भूमि देने वाले किसानों के हितों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों और प्राधिकरण के मध्य किसी भी प्रकार की बिचौलिया संस्कृति स्वीकार नहीं होगी तथा उचित मुआवजे की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में पारदर्शी रूप से अंतरित की जा रही है।





यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 का भव्य शुभारम्भ: प्रदेश के उत्पादों को मिला वैश्विक मंच





केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 25 सितम्बर, 2026 को इण्डिया एक्सपो सेण्टर एण्ड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इण्टरनेशनल ट्रेड शो (यू0पी0आई0टी0एस0) के चतुर्थ संस्करण और 'एक जनपद-एक व्यंजन' (ओ0डी0ओ0सी0) पोर्टल का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा ट्रेड शो का अवलोकन किया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के आर्थिक दर्शन और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'मेक इन इण्डिया' मिशन से देश आज विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और अनुकूल नीतियों के फलस्वरूप भयमुक्त माहौल बना है, जिससे राज्य देश के विकास का प्रमुख इंजन बनकर एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से अग्रसर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि यू0पी0आई0टी0एस0 का चतुर्थ संस्करण पिछले चार वर्षों के दौरान प्रदेश में निर्मित प्रत्येक उत्पाद को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का प्रमुख केंद्र बन चुका है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि यह भव्य आयोजन परम्परा और आधुनिक तकनीक, विरासत और नवाचार तथा स्थानीय हुनर और वैश्विक बाजार के अद्भुत समन्वय का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' (ओ0डी0ओ0पी0) योजना ने प्रदेश के पारम्परिक शिल्पकारों, कारीगरों और बुनकरों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 81 एम0एस0एम0ई0 उत्पादों को जी0आई0 टैग प्राप्त हो चुका है और 75 नए उत्पादों के लिए आवेदन प्रक्रियाधीन है, जिससे भदोही के कालीन, मुरादाबाद के पीतल, कन्नौज के इत्र और काशी की सिल्क जैसी विशिष्ट पहचानों को बड़ा टर्नओवर मिला है।

उन्होंने जापान, रूस, वियतनाम, ऑस्ट्रिया और बेलारूस सहित सभी पार्टनर कंट्रीज के राजदूतों, हाई कमिश्नर्स और ट्रेड कमिश्नर्स का आभार व्यक्त किया। उत्तर प्रदेश के एम0एस0एम0ई0 मंत्री श्री भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी का इस कार्यक्रम में उपस्थित होना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री जी के प्रेरणा एवं कुशल मार्गदर्शन में यू0पी0आई0टी0एस0 आज ब्राण्ड यूपी की पहचान बन चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि 36 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में आयोजित इस ट्रेड शो में 2,400 से अधिक एग्जिबिटर्स भाग ले रहे हैं तथा 90 देशों के 600 से अधिक बायर्स और डेढ़ लाख बी2बी विजिटर्स का आगमन प्रदेश के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जापान, रूस, वियतनाम, ऑस्ट्रिया और बेलारूस जैसे भागीदार देश तकनीकी हस्तांतरण और संयुक्त उपक्रमों को नई गति प्रदान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में भारत द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाकर उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आमंत्रित कर रहा है। उन्होंने बताया कि आधुनिक एक्सप्रेस-वे, इंटरनेशनल एयरपोर्ट, फ्रेट कॉरिडोर और डिफेंस कॉरिडोर जैसे विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के माध्यम से प्रदेश स्थानीय प्रतिभा को वैश्विक व्यवसाय में परिवर्तित कर आत्मनिर्भरता के नए मानक स्थापित कर रहा है।





यूपीआईटीएस-2026: मुख्यमंत्री ने पार्टनर देशों के साथ राउंड टेबल बैठक कर वैश्विक निवेश और साझेदारी को दिया आमंत्रण







मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 25 सितम्बर, 2026 को ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इण्टरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के शुभारम्भ के उपरान्त पार्टनर देशों—सिंगापुर, वियतनाम, रूस, बेलारूस, जापान और ऑस्ट्रिया के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ राउंड टेबल बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने देश के सबसे बड़े राज्य की विपुल औद्योगिक क्षमता, विशाल बाजार, युवा कार्यबल और प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों को रेखांकित करते हुए अंतरराष्ट्रीय कम्पनियों को प्रदेश में निवेश विस्तार का खुला आमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री जी ने वियतनाम के डेलिगेशन से वार्ता करते हुए इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभर रहे यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण क्षेत्र में मध्य एवं लघु इलेक्ट्रॉनिक असेंबलिंग इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि टेक्सटाइल पार्कों में गारमेंटिंग इकाइयों हेतु प्लग-एंड-प्ले सुविधा दी जा रही है। उन्होंने पर्यटन और व्यापारिक रिश्तों को गति देने के लिए लखनऊ, वाराणसी व नोएडा से हनोई के मध्य सीधी उड़ानें शुरू करने तथा प्रमुख बौद्ध स्थलों पर वियतनामी होटल समूहों द्वारा रिसॉर्ट्स विकसित करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री जी ने रूसी प्रतिनिधिमंडल के साथ संवाद में डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत लखनऊ में ब्रह्मोस और अमेठी में एके-203 राइफल निर्माण का उल्लेख करते हुए कानपुर नोड में भी रूसी रक्षा कम्पनियों को आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नोएडा एयरपोर्ट के निकट विकसित हो रहे मेडिकल डिवाइस पार्क, ललितपुर के बल्क ड्रग पार्क और बुंदेलखंड फार्मा पार्क में रूसी निवेशक आरएंडडी केंद्र स्थापित कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने देश के 'फूड बास्केट' उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों और फर्टिलाइजर सप्लाई चेन में संयुक्त साझेदारी पर बल दिया।

मुख्यमंत्री जी ने बेलारूस के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि राज्य में आधुनिक व भारी मशीनरी, विशेषकर ट्रैक्टर निर्माण इकाइयों की अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि सहारनपुर और बिजनौर के ओडीओपी क्लस्टरों को बेलारूस की उन्नत वुड टेक्नोलॉजी से जोड़कर स्थानीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है। उन्होंने प्रदेश की 56 प्रतिशत युवा आबादी के कौशल विकास हेतु बेलारूस को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने का भी सुझाव दिया।

मुख्यमंत्री जी ने जापान के प्रतिनिधिमंडल को इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) सेक्टर में निवेश और आर्थिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रगाढ़ करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, सिंगापुर के डेलिगेशन के साथ 'सिंगापुर सिटी' परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कार्गो, लॉजिस्टिक्स पार्क, कोल्ड स्टोरेज और एमआरओ सुविधाओं के विकास में निवेश का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा डाटा सेंटर हब के रूप में तेजी से स्थापित हो रहा है, जहां प्रचुर लैंड बैंक उपलब्ध है। उन्होंने सिंगापुर की तकनीकी कम्पनियों को सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप सहयोग करने और प्रत्येक जनपद में विकसित किए जा रहे 'सरदार वल्लभ भाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन' में भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर आर्थिक इकाई के रूप में विकसित करें : मुख्यमंत्री





मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 28 सितम्बर, 2026 को मिशन रोजगार के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से चयनित 1,375 ग्राम पंचायत अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने स्पष्ट किया कि विकसित भारत का संकल्प विकसित उत्तर प्रदेश से और विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों के माध्यम से ही साकार होगा। ग्राम पंचायतों को केवल प्रशासनिक इकाई तक सीमित न रखकर आत्मनिर्भर आर्थिक इकाई के रूप में स्थापित किया जाना आवश्यक है, जिसमें ग्राम पंचायत अधिकारी सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जिस शुचिता और पारदर्शिता से नवचयनित युवाओं को सेवा का अवसर मिला है, उसी निष्ठा से उन्हें धरातल पर परिणाम देने होंगे। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत अधिकारी शासन और ग्रामीण जनता के बीच सेतु बनकर प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें। प्रत्येक ग्राम पंचायत को मॉडल व स्मार्ट पंचायत बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर नवाचार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन तथा स्थानीय रोजगार सृजन की दिशा में ठोस कार्य किए जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रदेश में युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग राज्य की समृद्धि के लिए किया जा रहा है। विगत साढ़े नौ वर्षों में 9.50 लाख से अधिक युवाओं को निष्पक्ष व्यवस्था के माध्यम से सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं। आगामी 06 माह के भीतर एक लाख और युवाओं को सरकारी सेवा में नियुक्ति पत्र देने का लक्ष्य निर्धारित है। पारदर्शी कार्यप्रणाली और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के फलस्वरूप प्रदेश की अर्थव्यवस्था, बजट का आकार और प्रति व्यक्ति आय लगभग तीन गुना तक विस्तारित हुई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ग्राम सचिवालय अब ग्रामीण प्रशासन और नागरिक सेवाओं के आधुनिक केंद्र बन चुके हैं। ई-ग्राम स्वराज, डिजिटल लाइब्रेरी और डिजिटल सेवाओं के माध्यम से ग्रामीणों को आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र जैसी मूलभूत सुविधाएं ग्राम स्तर पर ही सुलभ कराई जा रही हैं। ग्राम पंचायतों में उपस्थिति के लिए फेशियल रिकॉग्निशन प्रणाली लागू की जा रही है। उन्होंने जोर दिया कि पंचायतें अपनी भूमि, स्थानीय बाजारों, दुकानों और तालाबों के माध्यम से आय के नए स्रोत सृजित करें तथा 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के अनुरूप आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हों।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत प्रदेश में 3.32 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ है और 57,600 से अधिक ग्राम पंचायतें ओ0डी0एफ0 प्लस बन चुकी हैं। प्रदेश में 65 लाख से अधिक आवास, 16 करोड़ नागरिकों को निःशुल्क राशन और आयुष्मान भारत का लाभ बिना भेदभाव पात्रों तक पहुंचाया गया है। जल जीवन मिशन के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसकी नियमित देखरेख के लिए स्थानीय युवाओं को प्लम्बिंग प्रशिक्षण देकर ग्राम स्तर पर ही रोजगार से जोड़ा जाए।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही एवं पंचायतीराज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर ने पारदर्शी भर्ती व्यवस्था तथा पंचायतीराज विभाग के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण की दिशा में अर्जित उपलब्धियों को रेखांकित किया।



केवल अंक ही नहीं, बच्चों का सर्वांगीण विकास ही सफलता का आधार : मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 28 सितम्बर, 2026 को गोरखपुर में आयोजित 'बाल मेला सम्मान समारोह' को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में अंकों का महत्व अवश्य है, लेकिन केवल अंक ही सफलता का आधार नहीं हो सकते। अभिभावक केवल अंकों के दबाव में बच्चों का खेलना, सोना और खान-पान प्रभावित न होने दें, बल्कि उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास पर समान रूप से ध्यान दें। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने से भी अधिक महत्वपूर्ण उसमें प्रतिभाग करना, स्वयं को चुनौती देना और निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विषम परिस्थितियों से घबराए बिना निरंतर प्रयास करने वाले कभी असफल नहीं होते। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम तथा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के जीवन संघर्षों का उदाहरण देते हुए बच्चों को असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। बेटियों की बढ़ती भागीदारी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि जब समाज बेटियों को अवसर और प्रोत्साहन देता है, तो वे अपनी प्रतिभा के बल पर प्रत्येक क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करती हैं।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए0आई0) कार्यों को सरल कर सकती है, किन्तु गहन सोच, मौलिक समझ और सही प्रश्न करने की क्षमता अच्छी पुस्तकों के अध्ययन से ही विकसित होती है। इसके दृष्टिगत बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में समाचार-पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे बच्चों में भाषा, व्याकरण और सामान्य ज्ञान का विस्तार हो सके। उन्होंने बच्चों को अपने शहर के ऐतिहासिक स्थलों, कार्यसंस्कृति, समाचार-पत्र मुद्रण और भारत भ्रमण के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 09 वर्षों में पारदर्शी नीतियों और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के बल पर उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर निकलकर देश की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और विकास का ग्रोथ इंजन बन चुका है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय में तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि में 9.50 लाख से अधिक युवाओं को निष्पक्षता से सरकारी नौकरियां दी गईं, जिनमें 2.30 लाख से अधिक भर्तियां अकेले पुलिस विभाग में की गईं।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि 'एक जनपद, एक उत्पाद' (ओडीओपी) जैसी योजनाओं ने स्थानीय कारीगरों को वैश्विक मंच प्रदान किया है, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण नोएडा में आयोजित 'उत्तर प्रदेश इण्टरनेशनल ट्रेड शो' में 90 से अधिक देशों के बायर्स और लाखों दर्शकों की उपस्थिति है। इसके साथ ही प्रदेश में 24 हजार से अधिक स्टार्ट-अप्स युवाओं को स्वावलम्बी बना रहे हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेता लगभग 500 खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में समायोजित किया जा चुका है तथा अगले सप्ताह 500 अन्य खिलाड़ियों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 26 सितम्बर, 2026 को नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा जी से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

गोरखपुर में 'सेवा संकल्प अभियान' में 509 दिव्यांगजनों को मिले सहायक उपकरण





मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 30 सितम्बर, 2026 को गोरखपुर में आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण समारोह को सम्बोधित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में 509 दिव्यांगजनों को 664 विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए। उत्तर प्रदेश शासन एवं हिन्दुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा वर्ष 2015 में 'विकलांग' के स्थान पर 'दिव्यांग' शब्द का प्रयोग केवल भाषाई बदलाव नहीं, बल्कि दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन का परिचायक था। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी समाज की वास्तविक पहचान उसकी इमारतों से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक बिना भेदभाव कितनी सुगमता से पहुंच रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ डबल इंजन सरकार दिव्यांगजनों के अधिकार, सम्मान, सुरक्षा और स्वावलम्बन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री जी ने श्लोक 'अयोग्यः पुरुषो नास्ति, योजकस्तत्र दुर्लभः' का उल्लेख करते हुए बताया कि कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, बस उसकी प्रतिभा को सही दिशा और अवसर देने वाले योजक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऋषि अष्टावक्र, महाकवि सूरदास और संगीतकार रवीन्द्र जैन के जीवन से यह प्रमाणित होता है कि शारीरिक सीमाएं कभी प्रतिभा के आड़े नहीं आतीं। टोक्यो पैरालम्पिक और अंतरराष्ट्रीय पटल पर देश व प्रदेश का नाम रोशन करने वाले पैरा खिलाड़ियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पदक भुजाओं से नहीं, बल्कि मजबूत हौसलों से जीते जाते हैं; प्रतिभा को दया नहीं, केवल अवसर की आवश्यकता होती है।

कल्याणकारी योजनाओं का ब्योरा देते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि दिव्यांगजन पेंशन को 300 रुपये से बढ़ाकर क्रमशः 500 और 1,000 रुपये किया जा चुका है तथा इसमें शीघ्र ही और वृद्धि की जाएगी। प्रदेश में अब तक 17 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को डिजिटल कार्ड उपलब्ध कराए जा चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल लिपि, स्पर्श पथ व डिजिटल सेवाएं, श्रवण बाधितों हेतु साइन लैंग्वेज व विजुअल अलर्ट तथा बौद्धिक दिव्यांगता के लिए सरल संकेत व प्रशिक्षण की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण की नींव बचपन से ही रखी जानी चाहिए। इसी उद्देश्य से प्रदेश में 'बचपन डे केयर सेण्टर' का तेजी से विस्तार किया जा रहा है और बजट 2026-27 में 03 से 07 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों के लिए जनपद स्तर पर ऐसे केंद्रों की स्थापना का विशेष प्राविधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, कॉक्लियर इम्प्लाण्ट के लिए सरकार द्वारा 06 लाख रुपये तक का व्यय वहन किया जा रहा है और स्पीच थेरेपी में भी परिवारों को पूर्ण सहयोग दिया जा रहा है।

शिक्षा और स्वावलम्बन पर बल देते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि उत्तर प्रदेश देश का एकमात्र राज्य है जहां दिव्यांगजन कल्याण के लिए दो समर्पित विश्वविद्यालय—लखनऊ में डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय और चित्रकूट में जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय संचालित हैं। दिव्यांग युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान', 'पीएम स्वनिधि', 'ओडीओपी', 'पीएम विश्वकर्मा', 'मुद्रा' तथा 'स्टैंडअप' जैसी योजनाओं से सीधे जोड़ा जा रहा है।

अंत में मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि वर्ष 2026-27 में प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में शिविर लगाकर दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरित किए जाएं। साथ ही पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें पेंशन एवं अन्य शासकीय सुविधाओं का त्वरित लाभ दिलाया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश की सभी 18 कमिश्नरियों में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र (डीडीआरसी) संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके क्रम में गोरखपुर के सीतापुर नेत्र चिकित्सालय परिसर में यह केंद्र प्रारम्भ हो चुका है।





सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित